CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ▫ अंक- 177 ▫ रायपुर, सोमवार 20 जुलाई 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे

संसद भवन का मेन गेट बंद किया गया

नई दिल्ली, 20 जुलाई (न्यूज चैनल)। शिक्षा प्रणाली में सुधार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों के प्रस्तावित संसद मार्च से पहले हंगामा हुआ। जंतर-मंतर के चारों तरफ बैरिकेडिंग है। संसद मार्च के दौरान पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने तक पहुंचे प्रदर्शनकारियों को लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया गया। सीजेपी के प्रदर्शनकारी संसद भवन के करीब पहुंच गए हैं। संसद भवन का मुख्य गेट सुरक्षाकर्मियों ने बंद कर दिया है। संसद भवन में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने एक्स पर पोस्ट किया है कि संसद के सामने युवाओं पर आंसू गैस छोड़ना बंद कीजिए। सरकार दमन नहीं, संवाद का रास्ता चुने। अपने अयोग्य शिक्षा मंत्री को हटाकर युवाओं की बात सुने।

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, पार्टी के अन्य सांसदों के साथ संसद से जंतर-मंतर तक मार्च कर रही हैं। उन्होंने कहा, देश में हालात ऐसे हैं कि युवा अपनी बात रखना चाहते हैं, लेकिन सरकार न तो उनकी बात सुनने को तैयार है और न ही बातचीत करने को। छात्रों ने बार-बार यह बात कही है और सोनम वांगचुक ने भी सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील की है। लेकिन सरकार इतनी अड़ियल और असंवेदनशील है कि वह किसी और की बात सुनने को तैयार नहीं है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हम छात्रों के साथ खड़े हैं और हम जंतर-मंतर तक मार्च करने जा रहे हैं। मेरा मानना है कि पूरी प्रक्रिया ही भ्रष्ट है और देश के युवा और छात्र ही इसका खामियाजा भुगत रहे हैं और भारी मानसिक तनाव से गुज़र रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि आशुतोष रांका और मैं, कॉकरोच जनता पार्टी की तरफ से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलने जा रहे हैं। सरकार सुबह बातचीत के लिए पहुंची थी। हमारी मांगें साफ हैं। युवा भारी संख्या में इकट्ठा हुए हैं। उधर, सोनम वांगचुक ने मार्च में शामिल होने किए सफदरजंग अस्पताल से आग्रह किया है।

अभिजीत दीपके ने खत्म की भूख हड़ताल

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के कहने पर अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म कर दी। सोनम वांगचुक अभी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं। दीपके ने यह उपवास तब शुरू किया था जब 18 जुलाई को वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उनकी 21 दिन की भूख हड़ताल के कारण उन्हें चिकित्सा सहायता की ज़रूरत थी। इस बीच, सीजेपी के प्रतिनिधि सौरव दास और आशुतोष रंका सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिलने के लिए निकले। पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक परीक्षा सुधारों की अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर जमा हुए।

स्कूल जा रहे हेडमास्टर की गला रेतकर हत्या

बलरामपुर, 20 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां स्कूल जा रहे एक हेडमास्टर की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई है। घटना से पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है। यह पूरा मामला त्रिकुंड थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जयकरन जगते के रूप में हुई है। वह ग्राम धमनी-कुमीहा स्थित विद्यालय में हेडमास्टर के पद पर पदस्थ थे। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह वे स्कूल के लिए निकले थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे जमीनी विवाद की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

प्रेमी की सड़क हादसे में मौत, सदमे में प्रेमिका ने फंदे से लटककर दे दी जान

सूरजपुर, 20 जुलाई (हाईवे चैनल)। प्यार जब सच्चा हो तो प्रेमी एक दूसरे की जुदाई बर्दाश्त नहीं कर पाते। इसका जीता जागता उदाहरण छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में देखने को मिला है, जहां प्रेमी की मौत के सदमे में प्रेमिका ने भी अपनी जान दे दी। इस घटना से इलाके में शोक की लहर है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। दरअसल, पूरा मामला करंजी चौकी क्षेत्र का है, जहां दो दिन पहले सड़क हादसे में वीरपाल नामक युवक कि मौत हो गई थी। इससे उसकी 20 वर्षिय प्रेमिका गहरे सदमे में चली गई और उदास रहने लगी, जिसके बाद युवती ने अपने घर में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इसको लेकर पुलिस ने कहा कि वीरपाल की मौत से युवती सदमे में थी और उसने फांसी लगाकर जान दे दी। युवती के शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

जिंदा व्यक्ति को बताया मृत, हाईकोर्ट ने कमिश्नर कोर्ट का आदेश किया निरस्त

बिलासपुर, 20 जुलाई (हाईवे चैनल)। सरकारी तंत्र की लापरवाही का मामला सामने आया है. जीवित व्यक्ति को सरकारी रिकार्ड में मृत घोषित कर नौकरी से हटा दिया गया था. मामला हाई कोर्ट पहुंचा तो जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच ने कमिश्नर के आदेश को त्रुटिपूर्ण मानते हुए निरस्त कर दिया है और मामले को दोबारा सुनवाई के लिए कमिश्नर कोर्ट भेज दिया है। दरअसल, जशपुर जिले के मनोरा तहसील के ग्राम गजमा निवासी मरियानुस एक्का को ग्राम पंचायत का कोटवार नियुक्त किया गया था. इस नियुक्ति को सुबोध कुमार तिर्की ने अनुविभागीय अधिकारी स्ष्ठरू के समक्ष चुनौती दी थी, जिसे एसडीएम ने खारिज कर दिया था. इसके बाद, सुबोध तिर्की ने सरगुजा कमिश्नर कोर्ट में द्वितीय अपील प्रस्तुत की. मामले की सुनवाई के बाद कमिश्नर ने 18 जून 2018 को इस अपील को यह कहते हुए स्वीकार कर लिया कि मरियानुस एक्का अब इस दुनिया में नहीं हैं' और उनकी कोटवार पद पर नियुक्ति निरस्त कर दी।

सड़क के अभाव में गांव तक नहीं पहुंच सकी एम्बुलेंस

7 किलोमीटर खाट पर मरीज को ढोने को मजबूर हुए ग्रामीण

बीजापुर, 20 जुलाई (हाईवे चैनल)। नक्सलवाद से पांच दशकों से प्रभावित रहे बस्तर के अंदरूनी गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। जिले के उसूर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले रायगुड़ा गांव में सड़क नहीं होने के कारण एक बीमार मरीज तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकी। मजबूरन ग्रामीणों और 108 एम्बुलेंस स्टाफ को मरीज को करीब 7 किलोमीटर तक खेतों और कच्चे रास्तों से खाट पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ा, जहां से उसे एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना ने एक बार फिर दूरस्थ इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं और सड़क संपर्क की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। आपातकालीन स्थिति में भी वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाने से मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों से सड़क निर्माण और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। बरसात के मौसम में गांव का संपर्क और भी कठिन हो जाता है, जिससे बीमारों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।

CMYK